RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

बरसों से ये यहीं पर, लटक रहीं सरकार।
होती रहती स्पार्किंग, जलते रहते तार।
जलते रहते तार, सभी सरकारें ठरकी।
कितना बोला इन्हें, कान पर जूं ना सरकी।
कह साहिल कविराय, हाथ पर उगी ना सरसों।
कभी पड़ा ना फर्क, हो गये कहते बरसों।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 157 | TUESDAY DATE 30-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में 30 जून से होगा एसआईआर, घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन करेंगे बीएलओ

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून । दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान 30 जून से शुरू होगा और 29 जुलाई तक बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे और भरे हुए प्रपत्र एकत्र करेंगे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने सोमवार को बताया कि राजधानी में एसआईआर 2026 अभियान की तैयारियां पूरी कर ली हैं। चुनाव आयोग ने 14 मई को इस अभियान की घोषणा की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ स्तर अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे और भरे हुए प्रपत्र एकत्र करेंगे।

टीएमसी के 57 विधायकों पर एफआईआर दर्ज

कोलकाता, यूटर्न/ 29 जून । पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 57 विधायकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि इन नेताओं ने चुनाव चिन्ह और पार्टी के पदों का कथित रूप से गलत इस्तेमाल किया। इस मामले में विभिन्न पुलिस थानों में शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, जिनके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। शिकायतकताओं का आरोप है कि पार्टी के आधिकारिक पदों और चुनाव चिन्ह का उपयोग नियमों के विपरीत किया गया। पुलिस मामले से जुड़े दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। फिलहाल सभी आरोप जांच के दायरे में हैं और जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जसपाल राणा के निधन के महज 16 दिन बाद मां का भी निधन, कैंसर से थीं पीड़ित

देहरादून,, यूटर्न/ 29 जून । उत्तराखंड के दिग्गज निशानेबाज और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित दिवंगत कोच जसपाल राणा के निधन के 16 दिन बाद उनकी मां श्यामा राणा का भी रविवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थीं और दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती थीं।

मेरी सेशेल्स यात्रा कई ठोस और महत्वपूर्ण परिणामों से भरपूर: नरेंद्र मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।**

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेशेल्स की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा संपन्न कर स्वदेश के लिए रवाना हुए। इस दौरे को पीएम मोदी ने ठोस और महत्वपूर्ण परिणामों से भरपूर बताया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस सफल यात्रा की झलक दिखाई। एक वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए लिखा, 'सेशेल्स की मेरी यात्रा कई ठोस और महत्वपूर्ण परिणामों से भरपूर रही है, जो भारत और सेशेल्स की मित्रता को और अधिक मजबूत बनाएगी।' प्रधानमंत्री ने बीते 50 साल की नींव को आगामी 50 साल की समृद्धि के लिए अहम माना। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि पिछले पचास वर्षों में हमारे संबंध गहरे भरोसे और साझा प्रगति की नींव पर खड़े रहे हैं। आने वाला अगला पचास वर्ष नवाचार, सतत विकास और साझा समृद्धि से परिभाषित होगा।' भारत के पीएम ने यकीन के साथ कहा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी यह यात्रा सेशेल्स-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों को भी बेहतर बनाने में मददगार रही है, जिनमें ठोस परिणाम सामने आए हैं।'

रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में कैबिनेट ने दिल्ली ईवी पॉलिसी 2026 को दी मंजूरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि मंत्रिमंडल ने दिल्ली ईवी नीति 2026 को मंजूरी दे दी है, जो एक जुलाई से लागू होगी और जीरो एमिशन व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी।

उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी के तहत अगले चार सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए 7,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का सीधा सरकारी निवेश किया जाएगा और ईवी इस्तेमाल करने वालों को 8,000 करोड़ रुपए की टैक्स छूट और इंसेंटिव दिए जाएंगे।

उन्होंने घोषणा की कि नागरिकों को टैक्स में छूट और ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर समेत लगभग 15,000 करोड़ रुपए का लाभ होगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि यह पॉलिसी उप-राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की औपचारिक मंजूरी के बाद लागू होगी।

उन्होंने कहा, 'इस नीति का मुख्य उद्देश्य जीरो एमिशन व्हीकल्स को बढ़ावा देकर दिल्ली को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ परिवहन राजधानी बनाना और राजधानी को स्मार्ट सिटी बनने में मदद करना है।'

इस नीति के तहत सभी इलेक्ट्रिक वाहनों को रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। बयान में कहा गया है कि चार पहिया वाहनों के लिए 30 लाख रुपए तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले वाहन पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया, हल्के मालवाहक ट्रक और ग्रामीण सेवा वाहनों सहित सभी प्रकार के वाहनों को लाभ प्रदान करना है।

> इस नीति के तहत सभी इलेक्ट्रिक वाहनों को रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। बयान में कहा गया है कि चार पहिया वाहनों के लिए 30 लाख रुपए तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले वाहन पात्र होंगे।

उन्होंने कहा कि यह नीति न केवल इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहित करने पर ध्यान देती है, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों को स्क्रैप करने और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी ध्यान देती है।

उन्होंने कहा, 'सब्सिडी को इस तरह से तैयार किया गया है, ताकि सामान्य वाहनों और इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच लागत के अंतर को कम किया जा सके।'

सीएम रेखा गुप्ता ने सभी हितधारकों के विचारों को ध्यान में रखने के लिए कैबिनेट मंत्री पंकज कुमार सिंह, आशीष सूद और मंजिंदर सिंह सिरसा को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'उन्होंने नीति के जरिए शहर के परिवहन परिदृश्य में सुधार लाने की दिशा में हर संभव प्रयास किया।'

दिल्ली सरकार द्वारा समर्थित एक अध्ययन के अनुसार, शहर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण का 33 प्रतिशत वाणिज्यिक वाहनों से और 46 प्रतिशत दोपहिया और तिपहिया वाहनों से होता है।

खान सर के गार्डस के राइफल के लाइसेंस होंगे निरस्त

पटना, यूटर्न/ 29 जून । पटना में दो कोचिंग संस्थानों के बीच हुए विवाद और फायरिंग मामले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि खान कोचिंग सेंटर संचालक फैजल खान के दोनों निजी सुरक्षा गार्ड नियमों के विरुद्ध राइफल का इस्तेमाल कर रहे थे। इस खुलासे के बाद पुलिस दोनों हथियारों के लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा करने की तैयारी में है। पुलिस जांच के मुताबिक गार्ड प्रदीप सिंह के हथियार का लाइसेंस यूपी में हथियार रखने और इस्तेमाल करने के लिए मान्य था, जबकि उसने बिहार में राइफल का इस्तेमाल किया। वहीं दूसरे गार्ड तालेवर सिंह के पास मौजूद हथियार के लाइसेंस की जांच में पता चला कि उस राइफल का इस्तेमाल करने का अधिकार उसके पिता के नाम पर था। ऐसे में तालेवर सिंह द्वारा उस हथियार का इस्तेमाल भी नियमों के विपरीत पाया गया।

असम के धेमाजी में बाढ़ ने मचाई तबाही, रेलवे पुल बहा, ट्रेनों का परिचालन ठप

धेमाजी, यूटर्न/ 29 जून । असम के धेमाजी जिले में बाढ़ के कारण हालात गंभीर बने हुए हैं। सीएम हिमंत विसवा सरमा ने कहा है कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के साथ-साथ उनके दीर्घकालिक पुनर्वास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इस बीच, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने बताया कि भारी कटाव से एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त होने से आचीर्पाथर और सिमेन चापरी स्टेशनों के बीच रेल परिचालन स्थगित कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सरमा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- धेमाजी में बाढ़ की स्थिति पर वह नजर रखे हुए हैं। इस आपदा से लोगों के जीवन पर पड़े असर से हमें गहरा दुख है और इस कठिन समय में हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित सभी परिवारों की सुरक्षा और दीर्घकालिक पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए सभी संसाधन जुटा रही है। उन्होंने बताया कि जल संसाधन मंत्री सुशांत बोरगोहेन और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केशब महंत को धेमाजी में रहकर पूरे राहत कार्य की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही: अनुराग ठाकुर

शिमला, यूटर्न/ 29 जून । भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शिमला के जाखू हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व पर बात की और राज्य में स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही है। अनुराग ठाकुर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'ऐसा नहीं है कि जब आप भगवान के चरणों में आते हैं, तो सिर्फ कुछ मांगने ही आते हैं। जाखू हनुमान मंदिर एक बहुत पुरानी जगह है। अगर आप इसके आस-पास के खूबसूरत नजारों को देखें, तो आपके अंदर अपने आप ही सकारात्मक ऊर्जा का एहसास जाग उठता है।

छोटे क्लीनिकों के लिए 'ई सुश्रुत क्लिनिक' लॉन्च, सिर्फ 299 रुपये में मिलेगी डिजिटल हेल्थ मैनेजमेंट की सुविधा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।**

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को छोटे क्लीनिकों के लिए 'ई सुश्रुत क्लिनिक' नामक हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म को सी-डैक ने तैयार किया है। इसका उद्देश्य छोटे क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना और उन्हें सरकार समर्थित, किफायती एवं उपयोग में आसान डिजिटल समाधान उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश के अधिकांश छोटे ओपीडी क्लीनिक अब भी मैनुअल व्यवस्था पर निर्भर हैं। बड़े हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम महंगे और जटिल होने के कारण छोटे क्लीनिक उन्हें अपनाने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में 'ई सुश्रुत क्लिनिक' इस कमी को दूर करेगा और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को तेजी से लागू करने में मदद करेगा।

सरकार की योजना है कि इस सिस्टम का उपयोग सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, उप-स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ निजी क्लीनिकों में भी किया जाए। फिलहाल 800 से अधिक स्वास्थ्य संस्थान इस प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं और इसके माध्यम से 680 से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार किए जा चुके हैं।

यह एक क्लाउड आधारित हल्का हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम है, जिसे विशेष रूप से छोटे आउट पेशेंट क्लीनिकों के लिए तैयार किया गया है।

सरकार ने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को किया ध्वस्त, पेपर लीक से युवाओं का भविष्य बर्बाद: अखिलेश

» **प्रयागराज, यूटर्न/ 29 जून ।**

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा सरकार पर शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लगातार पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में धांधली, सरकारी स्कूलों के बंद होने और बढ़ती बेरोजगारी ने युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा और रोजगार की स्थिति नहीं सुधरी तो देश का जनसांख्यिकीय लाभ (डेमोग्राफिक डिविडेंड) एक बड़ी चुनौती में बदल जाएगा। प्रयागराज में आयोजित 'विजन इंडिया' कार्यक्रम में 'शिक्षा-परीक्षा: क्यों ध्वस्त हुई व्यवस्था' विषय पर आयोजित संवाद को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की बुनियाद होती है। जब शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली कमजोर होती है तो सबसे बड़ा नुकसान युवाओं और देश के भविष्य को होता है। उन्होंने कहा कि लगातार पेपर लीक, परीक्षाओं का निरस्त होना और बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं में मानसिक तनाव बढ़ा है तथा कई अभ्यर्थियों ने निराशा में आत्महत्या तक कर ली। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने केजी से लेकर पीजी तक की पूरी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। हजारों सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं, विश्वविद्यालय राजनीतिक हस्तक्षेप का शिकार हैं और शिक्षा का बजट लगातार घटाया जा रहा है।

हरियाणा और राजस्थान के बीच ऐतिहासिक समझौता, प्यासी मरुधरा को मिलेगी यमुना की धार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, सहकारी संघवाद की भावना तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सतत मार्गदर्शन और समन्वयकारी प्रयासों से राजस्थान की बहुप्रतीक्षित यमुना जल परियोजना को ऐतिहासिक सफलता मिली।

नई दिल्ली में सोमवार को राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। लगभग तीन दशक से लंबित यह परियोजना अब क्रियान्वयन के निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। लगभग 34,102 करोड़ रुपए की लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना राजस्थान के जल इतिहास में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

समझौते पर हस्ताक्षर के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दोनों राज्यों एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन में जल सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में जल संरक्षण, जल प्रबंधन और राज्यों के बीच सहयोग की नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। नर्मदा परियोजना, जल जीवन मिशन, केन-बेतवा लिंक परियोजना एवं राम जल सेतु लिंक जैसी परियोजनाओं की तरह यमुना जल परियोजना भी इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्पष्ट विश्वास है कि 'जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, विकास और आने वाली पीढ़ियों की समृद्धि की आधारशिला है।' यही सोच इस ऐतिहासिक समझौते की प्रेरक शक्ति बनी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों राज्यों के मध्य विश्वास, संवाद और समन्वय का सेतु बनकर इस जटिल विषय का समाधान संभव बनाया। अमित शाह ने प्रत्येक चरण पर व्यक्तिगत रुचि लेकर दोनों राज्यों के बीच सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन और सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप तीन दशक से लंबित यह विषय ऐतिहासिक सहमति तक पहुंच सका।

उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की तकनीकी एवं प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता की भी सराहना करते हुए कहा कि मंत्रालय के सक्रिय सहयोग से परियोजना की सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को समयबद्ध गति मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, केंद्र-राज्य समन्वय और समयबद्ध निर्णयों के माध्यम से दशकों से लंबित परियोजनाओं को भी सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, जल जीवन मिशन और अब यमुना जल परियोजना इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

उच्चतम न्यायालय ने राम मंदिर दान गबन मामले की सुनवाई जल्द करने किया इनकार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।

उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित वित्तीय अनियमितताओं और हेराफेरी की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर पेश जनहित याचिका पर सोमवार को जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

याचिका में मंदिर कोष से जुड़े सभी भौतिक, इलेक्ट्रॉनिक और वित्तीय रिकॉर्ड को तुरंत सुरक्षित रखने के निर्देश देने की भी मांग की गयी है।

न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने अधिवक्ता एन. के. गोस्वामी के जल्द सुनवाई के लिए जनहित याचिका का उल्लेख किये जाने पर कहा कि इस मामले पर उचित समय पर विचार किया जायेगा। पीठ ने याचिकाकताओं को याचिका की एक प्रति रजिस्ट्री को सौंपने का निर्देश दिया। उल्लेख के दौरान वकील ने दलील दी कि ऐसी आशंका है कि जब तक इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के निर्देश जारी नहीं किये जाते, तब तक उनके साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की ओर से दायर इस याचिका में राम मंदिर निर्माण के लिए जनता से मिले दान में गबन, हेराफेरी और दुरुपयोग के आरोपों की सीबीआई द्वारा एक नियमित आपराधिक मामला दर्ज कर स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने के निर्देश देने की मांग की गयी है।

याचिका पर विचार लंबित रहने तक, इसमें दान रजिस्टर, खाता बही, सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और सॉफ्टवेयर डेटाबेस सहित सभी भौतिक, इलेक्ट्रॉनिक और वित्तीय रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के निर्देश देने की भी मांग की गयी है, ताकि उनके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ की आशंका को दूर किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

आवासीय क्षेत्र में संचालित स्पीकर पैकेजिंग गोदाम में लगी आग

लोनी, यूटर्न/ 29 जून । बॉर्डर थानाक्षेत्र की गुलाब वाटिका कॉलोनी में संचालित स्पीकर पैकेजिंग गोदाम में रविवार शाम अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने छह वाटर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया। गोदाम संचालक दिल्ली के मौजपुर निवासी आसिफ उर्फ शाहरुख से दमकल की टीम ने गोदाम संचालन से संबंधित दस्तावेज मांगे हैं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि गुलाब वाटिका कॉलोनी निवासी विक्रांत के मकान की पहली मंजिल में आसिफ किराये पर स्पीकर पैकेजिंग गोदाम संचालित कर रहा था। यहां गाड़ियों में लगने वाले स्पीकर पैक करने का काम किया जाता था। जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब चार बजे आसिफ गोदाम बंद करके चला गया। करीब 5:15 बजे स्थानीय लोगों ने धुआं निकलता देख दमकल और पुलिस को इसकी सूचना दी। कॉलोनी में ही रहने वाले अंकुश जैन ने बताया कि देखते ही देखते आग भीषण हो गई। ऊंची लपटें काफी दूर तक दिखाई दीं। वहीं आग का पता चलते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के मकान में भी हल्का-फुल्का नुकसान बताया जा रहा है। सीएफओ ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। करीब तीन घंटे में आग बुझाते हुए कूलिंग का काम किया गया। बताया कि आग शॉर्ट-सर्किट से लगने का अंदेशा है। फिलहाल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

बिजली मीटर में आग, छत पर फंसे तीन रेस्क्यू

नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून । उत्तर-पश्चिम दिल्ली के केशव पुरम इलाके में सोमवार तड़के एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। आग भूतल पर स्थित बिजली के मीटरों से शुरू हुई। आग लगते ही इमारत में धुआं फैल गया। जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। अंदर फंसे कुछ लोग किसी तरह इमारत से बाहर निकले। वहीं कुछ लोग जान बचाने के लिए छत की ओर भागे। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने राहत बचाव अभियान चलाकर छत पर फंसे तीन लोगों को बाहर निकाला। दमकल विभाग के मुताबिक विभाग को रात 2.03 बजे आग लगने की जानकारी मिली। मौके पर तुरंत दो वॉटर टेंडर, दो वॉटर बाउजर और एक क्विक रिस्पॉन्स गाड़ी भेजी गई। दमकल कर्मियों ने छत पर फंसे तीन लोगों गौरव (28), कायरा (25) और इंदु बत्रा (55) को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को दे दी थी जमानत, मां की याचिका पर हाईकोर्ट ने पलटा फैसला: सौरभ भारद्वाज

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।

जनकपुरी स्थित एक निजी स्कूल में तीन वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के चर्चित मामले में एक बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले के मुख्य आरोपी की जमानत रद्द कर दी है। इस फैसले के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने इसे पीड़िता और उसके परिवार के संघर्ष की जीत बताते हुए न्यायपालिका के निर्णय का स्वागत किया है।

पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मामले को दबाने और आरोपी को बचाने की कोशिश की गई थी, लेकिन बच्ची की मां के लगातार कानूनी संघर्ष और जनदबाव के चलते आखिरकार न्याय मिला।

सौरभ ने कहा कि यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने बताया कि पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी के महज पांच दिन के भीतर जमानत दे दी थी, जिसे लेकर शुरूआत से ही सवाल उठ रहे थे। इसके बाद पीड़ित बच्ची की मां ने दिल्ली हाईकोर्ट में इस जमानत आदेश को चुनौती दी, जहां अदालत ने सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद आरोपी की जमानत रद्द कर दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में 57 वर्षीय आरोपी, जो स्कूल में केयरटेकर और सीनियर क्लर्क के पद पर कार्यरत था, पर तीन वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप है। हाईकोर्ट में पीड़िता की ओर से अधिवक्ता ऋषिकेश कुमार ने पैरवी की। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निचली अदालत के जमानत आदेश को निरस्त कर दिया। सौरभ भारद्वाज ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जब आरोपी को पहली बार गिरफ्तार किया गया था, तब पुलिस ने उसकी रिमांड तक नहीं मांगी। उनके अनुसार, यह बेहद असामान्य स्थिति थी और इससे पुलिस की मंशा पर संदेह पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि उस समय के जनकपुरी थाना प्रभारी (एसएचओ) और संबंधित जिले के डीसीपी पर आरोपी की मदद करने के आरोप लगे थे। बाद में दोनों अधिकारियों का तबादला भी कर दिया गया था।

जिला नागरिक अस्पताल में लिफ्ट खराब होने से मरीजों और तीमारदारों को परेशानी

फरीदाबाद, यूटर्न/ 29 जून । जिला नागरिक बीके अस्पताल की लिफ्ट खराब होने से भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल की बहुमंजिला इमारत में जच्चा-बच्चा वार्ड, प्रसूति विभाग, नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) सहित कई महत्वपूर्ण वार्ड ऊपरी मंजिलों पर संचालित हैं। ऐसे में मरीजों और उनके परिजनों को सीढ़ियों के सहारे ही आवागमन करना पड़ रहा है।

अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। प्रसूति विभाग और एनआईसीयू में भर्ती मरीजों के परिजनों को दवाइयां लाने, जांच करवाने और अन्य जरूरी कार्यों के लिए दिन में कई बार ऊपर-नीचे जाना पड़ता है। लिफ्ट खराब होने से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के साथ आने वाले परिजनों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में कई मरीज ऐसे हैं, जिन्हें चलने-फिरने में दिक्कत होती है। ऐसे मरीजों को सीढ़ियों के जरिए ऊपर ले जाना मुश्किल हो जाता है। कई बार स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से मरीजों को सीढ़ियों से ले जाना पड़ता है, जिससे हादसे की आशंका भी बनी रहती है। पर्वतीय कॉलोनी निवासी ललित कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी अस्पताल में भर्ती है। दवाइयों और अन्य जरूरी कामों के लिए उन्हें दिन में कई बार ऊपर-नीचे जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि लिफ्ट का बटन दबाने पर लिफ्ट ऊपर-नीचे तो जा रही है, लेकिन उसका दरवाजा ही नहीं खुल रहा।

डीआरडीओ को मिली अधिक वित्तीय स्वायत्तता, रक्षा मंत्री ने जारी की 'डीएफपी 2026'

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, यानी डीआरडीओ, की कार्यक्षमता बढ़ाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने व सामरिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के उद्देश्य से बड़ी पहल की गई है। इसके तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'डीएफपी-2026' (वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन-2026) जारी किया।

यह नई व्यवस्था डीआरडीओ में विभिन्न स्तरों को अधिक वित्तीय अधिकार प्रदान करेगी, जिससे महत्वपूर्ण रक्षा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। रक्षा मंत्री ने बताया कि डीएफपी 2026 के लागू होने से रिसर्च एवं डेवलपमेंट तंत्र से विकसित होने वाली प्रणालियों, प्लेटफॉर्मों और तकनीकों का उत्पादन तथा सशस्त्र बलों में उनका शामिल किया जाना अधिक तेज होगा। उन्होंने कहा कि यह तंत्र उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोग को भी मजबूत करेगा। इस सहयोग से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संशोधित वित्तीय व्यवस्था रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश की रक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगी। डीएफपी-2026 के तहत रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग की विभिन्न इकाइयों को अधिक कार्यात्मक अधिकार दिए गए हैं। नई व्यवस्था में परीक्षण अभियानों, परीक्षण एवं मूल्यांकन गतिविधियों के लिए अलग वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। साथ ही, परियोजना शुरू होने से पहले अनुसंधान एवं विकास संबंधी प्रारंभिक गतिविधियों को स्वीकृति देने की व्यवस्था भी शामिल की गई है। इसके अलावा, बा' अनुसंधान परियोजनाओं, रक्षा नवाचार उत्कृष्टता केंद्रों तथा प्रौद्योगिकी विकास कोष से संबंधित अनुदानों के लिए वित्तीय शक्तियों का स्पष्ट विभाजन किया गया है।

इससे परियोजनाओं की स्वीकृति और क्रियान्वयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुगम होगी।

नई दिल्ली में आयोजित इससे संबंधित एक कार्यक्रम में देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ एनएस राजा सुब्रामणी व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह सहित रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ, और वित्त प्रबंधन से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि डीएफपी 2026 रक्षा अनुसंधान परियोजनाओं में निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करेगा। यह नवाचार को प्रोत्साहित करेगा और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के विकास तथा सैन्य बलों में उनकी शीघ्र तैनाती का मार्ग प्रशस्त करेगा।

ग्रीन समर कैंप में बच्चों ने सीखे पर्यावरण संरक्षण के गुर

» राजेश सलूजा

बरवाला, यूटर्न/ 29 जून । राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नहर कोठी, बरवाला में सात दिवसीय ग्रीन समर कैंप का उत्साहपूर्वक समापन किया गया। कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। विद्यालय के प्राचार्य मनोज गुप्ता ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से आ'ान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं, जल का सदुपयोग करें, ऊर्जा की बचत करें तथा प्लास्टिक का प्रयोग कम करके स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करते हैं।

ग्रीन समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों के लिए वृक्षारोपण, जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, प्लास्टिक मुक्त जीवन, स्वच्छता अभियान तथा पर्यावरण जागरूकता से संबंधित अनेक रोचक, ज्ञानवर्धक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं, समूह गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कैंप को सफल बनाने में सहयोगी अध्यापकों रविन्द्र सिह, सुमन सलूजा, सुभाष, विकास, सुखवीर, किरण, जोगिंदर, अमित कुमार (स्पेशल टीचर) कृष्ण (एबीआरसी), चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में पूजा, बिमला एवं संतोष का विशेष सहयोग रहा।

विद्यालयी शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की शिक्षा का आधार : डॉ. ऋषि पाल

» हरियाणा, यूटर्न/ 29 जून ।

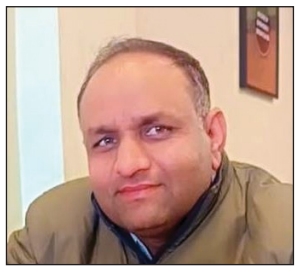

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, घड़ुआँ (पंजाब) के सह-प्राध्यापक डॉ. ऋषि पाल ने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) आधुनिक विज्ञान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। विद्यालयी शिक्षा में एआई का उपयोग लगातार बढ़ रहा है, जिससे विद्यार्थियों, शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों को अनेक लाभ मिल रहे हैं। एआई शिक्षा को अधिक प्रभावी, रोचक, गुणवत्तापूर्ण तथा विद्यार्थी-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की क्षमता और गति अलग-अलग होती है। एआई आधारित तकनीक विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप अध्ययन सामग्री और अभ्यास उपलब्ध कराती है, जिससे सीखने की प्रक्रिया अधिक सरल और प्रभावी बनती है। यह विद्यार्थियों की प्रगति का विश्लेषण कर उनके स्तर के अनुसार शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराती है। साथ ही उत्तर-पुस्तिकाओं का त्वरित एवं सटीक मूल्यांकन, स्मार्ट चैटबॉट, वर्चुअल ट्यूटर तथा शैक्षिक एप्लिकेशन विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का तत्काल समाधान कर उनकी सीखने की क्षमता को बढ़ाते हैं। डॉ. ऋषि पाल ने बताया कि एआई शिक्षकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी है। यह पाठ योजना तैयार करने, विद्यार्थियों की प्रगति का विश्लेषण करने तथा प्रशासनिक कार्यों को सरल बनाने में सहायता करता है। इसके अतिरिक्त दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित एवं विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए भी एआई आधारित तकनीक शिक्षा को अधिक सुलभ और समावेशी बना रही है। उन्होंने कहा कि एआई के अनेक लाभ होने के बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। सभी विद्यालयों में आधुनिक तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों की कमी, एआई पर अत्यधिक निर्भरता, डेटा गोपनीयता तथा साइबर सुरक्षा जैसे विषय गंभीर चिंता का विषय हैं। इसलिए एआई का उपयोग जिम्मेदारी, नैतिकता और संतुलित दृष्टिकोण के साथ किया जाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई कभी भी शिक्षक का स्थान नहीं ले सकता, बल्कि वह केवल शिक्षकों का सहयोगी बन सकता है।

नंदी पर सवार हो कर शंकर चले पार्वती को बिहाने राजेंदर पराशर

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 29 जून । श्री स्थाणु सेवा मंडल के सहयोग से महंत प्रभात पुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे आयोजित कथा आज सातवे दिन बड़ी संख्या मे पहुंच कर कथा सुनी व्यास पीठ से कथा वाचक पंडित राजेंदर पराशर ने आज के प्रसंग मे बताया हिमाचल पुत्री के कठिन यज्ञ को देख कर शंकर भोले माँ पार्वती की परीक्षा लेने एक वृद्ध ब्राह्मण का रूप बना कर वहां पहुंचे जँहा पार्वती कठिन तप कर रही थी! शंकर ने पूछा हे देवी तुम कौन हो और तुम्हारा मनोरथ क्या है तब पार्वती ने बताया मै हिमाचल पुत्री हूँ पहले मै सती नाम से दक्ष के घर उत्पन्न हुई थी परन्तु मेरे पिता ने मेरे पति शिव की निंदा की थी ईस लिए मैंने अग्नि मै प्रवेश कर शरीर त्याग दिया था! ईस जन्म मे मै शिव को पा लेती परन्तु कामदेव के कारण शिव कठिन तप करने कैलाश पर चले गये है और वें कब लौटेंने पता नहीं! ईस लिए मे आज अपना शरीर त्याग रही हूँ कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे एडवोकेट यशपाल गुप्ता, डाक्टर सुरेंदर मेहता, रेनू खुंगर, डॉ ममता सूद, रविंदर सांगवान, चरणजीत गाबा,उपस्थित रहे व्यास पीठ ने सभी अतिथियों का पटका पहना कर सम्मान किया! कथा के उपरांत सोहन लाल सैनी के परिवार की तरफ से श्रद्धांलुओं को प्रशाद वितरित किया गया! ईस अवसर पर सतीश शर्मा, दर्शन पाहवा, सुनील सचदेवा, गोपाल कृष्ण शर्मा, दलीप सिंह, अशोक आश्री, नारायण, सोहन लाल सैनी, सुरेंदर हमबीरिया, दीवान अरोड़ा, रमेश सचदेवा, नानक चंद गल्होत्रा, कर्म चंद, प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे!

□ शंकर ने पूछा हे देवी तुम कौन हो और तुम्हारा मनोरथ क्या है तब पार्वती ने बताया मै हिमाचल पुत्री हूँ पहले मै सती नाम से दक्ष के घर उत्पन्न हुई थी परन्तु मेरे पिता ने मेरे पति शिव की निंदा की थी ईस लिए मैंने अग्नि मै प्रवेश कर शरीर त्याग दिया था!

कुरुक्षेत्र में 2 जुलाई को सामाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 29 जून । सतगुरु श्री कबीर साहेब जी के 629वें राज्य स्तरीय पावन प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में 2 जुलाई 2026 को कुरुक्षेत्र में सामाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सायं 3 बजे गीता ज्ञान संस्थान, कुरुक्षेत्र के सभागार में आयोजित होगा।

कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए जय नारायण खटक प्रधान ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज में भाईचारे, समानता और समरसता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं प्रबुद्ध वर्गों के लोग भाग लेंगे और संत कबीर साहेब के विचारों पर चर्चा की जाएगी। आयोजकों ने सभी समाजों, संस्थाओं एवं नागरिकों से सम्मेलन में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के आयोजन में जय नारायण खटक प्रधान श्री कबीर धाणक धापक समाज धर्मशाला सभा (रजि.) एवं विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं का सहयोग रहेगा।

ग्रेटर नोएडा में जल शुल्क बकाएदारों के लिए राहत, 40 प्रतिशत ब्याज छूट का आखिरी मौका 30 जून

» ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 29 जून ।

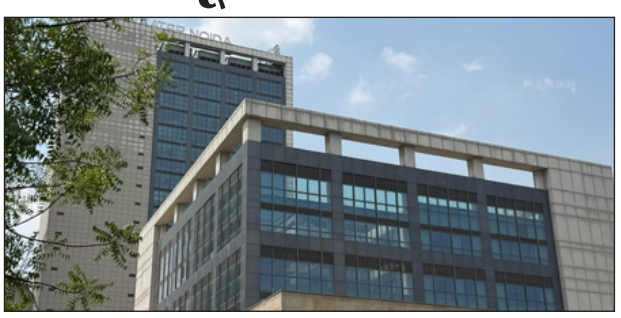

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा जल शुल्क के बकाएदारों को बड़ी राहत देते हुए लागू की गई एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तहत ब्याज पर 40 प्रतिशत की छूट प्राप्त करने का अंतिम अवसर 30 जून है।

मंगलवार तक बकाया जल शुल्क जमा करने वाले उपभोक्ताओं को ब्याज की राशि पर 40 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। इसके बाद यह छूट क्रमशः कम होती जाएगी।

प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्राधिकरण बोर्ड की स्वीकृति के बाद तीन माह के लिए विशेष ओटीएस योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत 30 जून तक जल शुल्क का बकाया जमा करने पर ब्याज में 40 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वहीं, 1 जुलाई से 31 जुलाई तक भुगतान करने वालों को ब्याज पर 30 प्रतिशत तथा 1 अगस्त से 31 अगस्त तक भुगतान करने वालों को 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। 31 अगस्त के बाद यह योजना स्वतः समाप्त हो जाएगी और किसी प्रकार की छूट का लाभ नहीं मिलेगा। प्राधिकरण के मुताबिक, वर्तमान में विभिन्न श्रेणियों के आवंटियों पर करीब 290 करोड़ रुपये का जल शुल्क बकाया है। इनमें सबसे अधिक लगभग 146 करोड़ रुपये बिल्डर सोसाइटियों पर बकाया हैं। इसके अलावा आवासीय आवंटियों पर करीब 65 करोड़ रुपये, संस्थागत आवंटियों पर 50 करोड़ रुपये, औद्योगिक इकाइयों पर 14.61 करोड़ रुपए, आवासीय समितियों पर लगभग 10 करोड़ रुपए तथा शेष राशि आईटी और व्यावसायिक श्रेणी के आवंटियों पर बकाया है।

प्राधिकरण का मानना है कि इस योजना से बड़ी संख्या में बकाएदारों को राहत मिलेगी और जल शुल्क की वसूली में भी तेजी आएगी। अधिकारियों ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 30 जून तक अपने बकाया बिल का भुगतान कर ब्याज पर 40 प्रतिशत की अधिकतम छूट का लाभ उठाएं।

उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एनजी रवि कुमार की पहल पर इस वर्ष जल मूल्य में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

टीम समर सिंह ने बर्रा में दबोचा शातिर वाहन चोर, तीन वाहन भी बरामद

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 29 जून । पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में भी अग्रणी बर्रा पुलिस की निरंतर सक्रियता ने एक गिरफ्तार कर उसके पास से तीन मोटर साइकिलें भी बरामद करने में सफलता प्राप्त कर ली। यह सफलता पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध अभियान के क्रम में दक्षिण के पुलिस उपायुक्त दीपेंद्र नाथ चौधरी, अपर पुलिस उपायुक्त सुमित रामटेके के निर्देशन व एसीपी नौबस्ता के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बर्रा रविंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में मिली। अब पुलिस के गिरोह के अन्य सदस्यों की भी तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक तीन मोटर साइकिलों समेत इस शातिर वाहन चोर गणेश उर्फ चेतन वर्मा पुत्र राज कुमार वर्मा निवासी 386 के ब्लॉक पार्क के कोने पर थाना बर्रा को गिरफ्तार करने वाली इस टीम में सब इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह, संदीप कुमार सेन, कांस्टेबल , अंकुर पंवार, बबलू कुमार और गौरव कुमार आदि भी शामिल रहे। अवगत कराते चलें कि तीन मोटर साइकिलों समेत इस शातिर वाहन चोर गणेश उर्फ चेतन वर्मा को जिस चौकी क्षेत्र बर्रा में गिरफ्तार करने जैसी महत्व पूर्ण सफलता मिली। आजकल उसकी कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल सब इंस्पेक्टर समर सिंह के हाथ में है।

निराश्रित बच्चों को 2300 रुपए प्रतिमाह की वित्तीय सहायता :विश्राम कुमार मीणा

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 29 जून । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से अनेक जन-कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में निराश्रित बच्चों के लिए 2300 रुपये महीना की सहायता प्रदान की जा रही है। पात्र बच्चे योजना का लाभ उठा सकते हैं।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का जो बच्चा माता-पिता की मृत्यु या पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता की लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण सहायता अथवा देखभाल से वंचित है, वे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दी जा रही 2300 रुपये महीना की वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते है। बच्चे के अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह सहायता एक परिवार में दो बच्चों तक प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने के इच्छुकों के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य का निवासी होने का दस्तावेज, फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्व सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई नहीं है, तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का शपथ पत्र दे सकता है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

पंजाब की राजनीति में एआई की एंट्री

संदीप शर्मा

अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार, ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज को निशाना बनाने वाले आपत्तिजनक एआई-जनरेटेड वीडियो का सामने आना, पंजाब के तेजी से जहरीले होते राजनीतिक और सोशल मीडिया माहौल में एक चिंताजनक और निचले स्तर की घटना है। यह बात कि सिख धर्म की सर्वोच्च सांसारिक गद्दी के प्रमुख को भी नहीं बख्शा जा रहा है, बिना किसी रोक-टोक या जवाबदेही के इस्तेमाल की जाने वाली डीपफेक टेक्नोलॉजी के खतरनाक असर को दिखाती है। पंजाब में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। विरोधी पार्टियाँ लंबे समय से एक-दूसरे पर चुनावी फायदे के लिए धर्म का इस्तेमाल करने का आरोप लगाती रही हैं। फिर भी, नकली वीडियो और दुर्भावनापूर्ण कंटेंट बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल इस मुकाबले को एक नए और खतरनाक मोड़ पर ले जाता है। डीपफेक सच और झूठ के बीच के अंतर को धुंधला कर देते हैं, जिससे आम नागरिकों के लिए असली जानकारी और मनगढ़ंत प्रोपेगैंडा के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। इसका समय भी महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, ऐसे में सोशल मीडिया जनमत बनाने का मुख्य अखाड़ा बनता जा रहा है। विरोधियों, धार्मिक हस्तियों और संस्थानों के खिलाफ एआई-जनरेटेड कंटेंट को हथियार बनाने का लालच बढ़ने की संभावना है। राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश के तौर पर शुरू होने वाली चीजें तेजी से बहुत खतरनाक रूप ले सकती हैं, खासकर ऐसे राज्य में जहाँ धार्मिक भावनाएँ गहरी हैं और जहाँ का इतिहास सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के नतीजों का गवाह रहा है। अकाल तख्त के जत्थेदार को निशाना बनाने का मामला न केवल सिख समुदाय के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले हर नागरिक के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। संस्थानों को अपनी ताकत जनता के भरोसे से मिलती है। मनगढ़ंत कंटेंट के जरिए धार्मिक प्रमुखों की छवि खराब करने की जानबूझकर की गई कोशिशें उस भरोसे को कम करती हैं और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करती हैं। आज यह एक धार्मिक नेता है; कल कोई भी सार्वजनिक हस्ती या आम नागरिक भी हो सकता है। उतनी ही चिंता की बात यह है कि पंजाब की राजनीतिक बहस तेजी से सनसनीखेज बातों, व्यक्तिगत हमलों और मनगढ़ंत विवादों तक सिमटती जा रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग, बेरोजगारी, कृषि संकट, कानून-व्यवस्था या आर्थिक ठहराव जैसे अहम मुद्दों पर बहस करने के बजाय, राजनीतिक लोग सोशल मीडिया पर गुस्से और जवाबी गुस्से के कभी न खत्म होने वाले चक्र में फंसते जा रहे हैं। नतीजा यह होता है कि जनता का ध्यान शासन-प्रशासन से हटकर तमाशे की ओर चला जाता है। कानून को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट और आपराधिक कानून के तहत मौजूद प्रावधान दुर्भावनापूर्ण और मानहानि करने वाले कंटेंट से निपटने का ढांचा तो देते हैं, लेकिन उन्हें लागू करने की गति अक्सर तकनीकी बदलावों के मुकाबले धीमी रही है। जो लोग लोगों की बदनामी करने या अशांति फैलाने के इरादे से डीपफेक बनाते और फैलाते हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी अपनी ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकते। उन्हें ऐसे हेर-फेर किए गए कंटेंट की पहचान करने, उसे चिह्नित करने और हटाने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए, जो सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा हों या दुर्भावनापूर्ण तरीके से किसी व्यक्ति को निशाना बनाते हों। हालाँकि, सिर्फ.नियम-कानून ही काफी नहीं हैं। नागरिकों को डिजिटल साक्षरता अपनानी चाहिए और सनसनीखेज ऑनलाइन सामग्री के प्रति एक स्वस्थ संदेह का नजरिया रखना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में, किसी भी चीज को शेयर करने से पहले उसकी सच्चाई की जाँच करना अब केवल एक अच्छी आदत नहीं, बल्कि एक नागरिक ज़िम्मेदारी है।

फिर पेपर लीक

अंदरूनी विश्वासघात- घर का भेदी लंका ढाए

लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी,यात्रा, मानसिक तनाव और भविष्य एक झटके में अधर में लटक गया। यह घटना केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब राष्ट्रीय स्तर पर पेपर लीक की घटनाओं के बाद परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के दावे किए गए थे,तब फिर ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं?

एडवोकेट किस सनमुखदास भावनानी

युवाओं के भविष्य की चोरी या व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता व कमजोरी? महाराष्ट्र टीईटी पेपर 2026 लीक से उठे सवाल- समग्र व्यापक विश्लेषण

लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी, यात्रा, मानसिक तनाव और भविष्य एक झटके में अधर में लटक जाना,पूरे देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञों, मॉडरेटरों और संबंधित अधिकारियों को भी केंद्रीय बजट तैयार करने वाली टीम की तरह एग्जाम होने तक पूर्ण गोपनीय वातावरण में रखने की तात्कालिक आवश्यकता वैश्विक स्तरपर घर का भेदी लंका ढाए,यह कहावत आज भारत की परीक्षा प्रणाली पर पहले से कहीं अधिक सटीक बैठती दिखाई देती है।कभी पानी की पाइपलाइन,गैस लाइन या टैंकर लीक होने की खबरें चर्चा का विषय होती थीं,लेकिन आज लीक शब्द सुनते ही लोगों के मन में पहला प्रश्न आता है, आज किस परीक्षा का पेपर लीक हुआ? यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और ज्ञान-आधारित समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है। किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के वर्षों के परिश्रम, सपनों और भविष्य की खुली चोरी है। जब एक विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करके परीक्षा केंद्र तक पहुंचता है और अंतिम क्षणों में परीक्षा रद्द या स्थगित कर दी जाती है, तो उसका केवल समय और धन ही नहीं, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी टूटता है। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (महा टेट 2026) का परीक्षा से ठीक पहले स्थगित होना इसी गहरी बीमारी का सटीक ताजा उदाहरण है।महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार 28 जून 2026 को आयोजित थी, किंतु एक दिन पहले ठाणे के भिवंडी क्षेत्र में पुलिस द्वारा पेपर लीक रैकेट का भंडाफोड़ किए जाने के बाद सरकार को परीक्षा तत्काल स्थगित करनी पड़ी। प्रारंभिक जांच में वास्तविक प्रश्नपत्र आरोपियों के पास मिलने की पुष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह कोई अफवाह नहीं, बल्कि संगठित अपराध था। लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी,यात्रा, मानसिक तनाव और भविष्य एक झटके में अधर में लटक गया। यह घटना केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब राष्ट्रीय स्तर पर पेपर लीक की घटनाओं के बाद परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के दावे किए गए थे,तब फिर ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं? यदि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो चुकी है,तो प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले अपराधियों तक कैसे पहुंच गया?इसका उत्तर केवल तकनीकी कमजोरी में नहीं, बल्कि व्यवस्था के भीतर मौजूद मानवीय भ्रष्टाचार और संस्थागत मिलीभगत में छिपा है। पेपर लीक की लगभग हर बड़ी घटना यह संकेत देती है कि यह केवल बाहरी अपराधियों का काम नहीं होता। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर मुद्रण, पैकेजिंग, परिवहन, सुरक्षित भंडारण और वितरण तक अनेक चरण होते हैं। इनमें किसी भी स्तर पर यदि कोई व्यक्ति धन, प्रभाव या लालच के कारण गोपनीयता तोड़ देता है, तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अधिकांश पेपर लीक बाहरी हमला नहीं, बल्कि अंदरूनी विश्वासघात होते हैं। वास्तव में घर का भेदी लंका ढाए वाली स्थिति ही इस समस्या का मूल है। साथियों, महाराष्ट्र मामले की जांच में सामने आए तथ्यों ने भी इसी ओर संकेत किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद अंडरकवर ऑपरेशन चलाया गया। अधिकारियों ने स्वयं को पेपर खरीदने वाला ग्राहक बताकर आरोपियों से संपर्क किया और दो दिनों तक उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी। बड़ी धनराशि का लालच देकर सौदे के लिए बुलाया गया और जैसे ही प्रश्नपत्र सौंपा गया, तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में दिल्ली सहित कई राज्यों तक फैले अंतरराज्यीय नेटवर्क के संकेत मिले, जिसके बाद विशेष जांच दल ने विभिन्न राज्यों में जांच शुरू की। इससे स्पष्ट है कि पेपर लीक अब छोटे स्तर का अपराध नहीं रहा, बल्कि यह करोड़ों रुपये के संगठित आपराधिक नेटवर्क का रूप ले चुका है।आज डिजिटलतकनीक ने जहां सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं अपराधियों को भी नए माध्यम उपलब्ध करा दिए हैं। व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर कुछ ही मिनटों में प्रश्नपत्र हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए केवल प्रिंटिंग प्रेस की सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। साइबर सुरक्षा, डिजिटल निगरानी और डेटा सुरक्षा को भी समान महत्व देना होगा। यदि डिजिटल चैनल सुरक्षित नहीं होंगे, तो कोई भी गोपनीय दस्तावेज सुरक्षित नहीं रह सकता। साथियों, पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान केवल परीक्षा स्थगित होना नहीं है। इसका सबसे गंभीर प्रभाव युवाओं के मनोविज्ञान पर पड़ता है। वर्षों की मेहनत करने वाला छात्र स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है।

चिंतन-मनन: शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? ...

अति पर्यटन कहीं चौपट न कर दे पर्यटन उद्योग को

प्रयाग पाण्डे

भारतीय संस्कृति में अतिथियों को बहुत महत्व दिया गया है। भारत की संस्कृति का प्राचीन सिद्धांत है। अतिथिदेवो भव। इस कथन में अतिथि को देवताओं के तुल्य माना गया है। अतिथियों का देवता के रूप में सम्मान करने की सलाह दी गई है। आधुनिक पर्यटन के वर्तमान दौर में अनियंत्रितए अनियोजित एवं असंयोजित अति जन पर्यटन ने भारतीय संस्कृति के इस प्राचीन सिद्धांत को अप्रासंगिक बना दिया है। पर्यटक स्थलों की क्षमता से कई गुना अधिक भीड़ए घोर बाजारवाद और उपभोक्तावाद ने अतिथि और आतिथ्यकर्ता के मैत्रीपूर्ण व्यवहार में खटास घोल दी है। दोनों के मध्य का सौहार्द गड़बड़ा गया है।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आवागमन से मेहमान और मेजबान के बीच टकराव की घटनाओं में यकायक बढ़ोत्तरी हुई है। पहाड़ के पर्यटक स्थलों में आए दिन पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के बीच छोटी . छोटी बातों पर लड़ाई . झगड़ेए गाली . गलौचए मारपीट और हाथापाई जैसी अप्रिय घटनाएं सामने आ रही हैं। अति पर्यटन के कारण उत्तराखंड के पर्यटक स्थलों में पर्यटकों से संबंधित अपराध बढ़ रहे हैं।

पर्यटन कुप्रबंधन के कारण उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों में पचाने की क्षमता नहीं रह गई है। अनियंत्रित पर्यटन ने पहाड़ के आधारभूत सुविधाओं के ढांचे को चरमरा दिया है। बड़ी संख्या में पर्यटकों के आवागमन से पहाड़ की अधिकांश मोटर सड़कें दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट गई हैं। लोगों को घंटों सड़क जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। पहाड़ में एक घंटे के सफर में दस घंटे लग रहे हैं। गाड़ियों की भीड़ और जाम से समूचा पहाड़ त्रस्त है। स्थानीय निवासियों की दैनंदिन की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। अति जन पर्यटन से पहाड़ में भौतिकए पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं। वहन क्षमता से अधिक पर्यटकों के आने से मेजबान और मेहमान के बीच टकराव बढ़ा है। उत्तराखंड में पर्यटन प्रबंध की माँग और आपूर्ति में सामंजस्य बैठाए बगैर अनियंत्रित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जबकि यहाँ स्थानीय संसाधनों के अनुसार सही प्रबंधन और नियोजित पर्यटन की आवश्यकता है। जब स्थानीय निवासियों के लिए चलने को सड़क . रास्ते न बचेंए बुनियादी सुविधाओं का अभाव हो और स्थानीय लोगों की रोजमर्रा की आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को नजरअंदाज कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए तो स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति शत्रुता का भाव उत्पन्न होने की आशंका बन जाती है। पर्यटन के इस अनियोजित विकास में स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं की सरासर अनदेखी की जा रही है।

सुनियोजित पर्यटन व्यवस्था के लिए स्थानीय क्षमताओं की समझ होना जरूरी है। पर्यटकों की अति भीड़ स्थानीय लोगों के लिए भौतिक एवं सामाजिक बोझ न बने इसके लिए पर्यटन स्थलों की वहन क्षमता के आधार पर पर्यटकों की संख्या को नियंत्रण में रखना आवश्यक है। अति पर्यटन से स्थानीय लोगों के मन में पर्यटकों के प्रति विद्वेष का भाव उत्पन्न हो जाता हैए यह स्थिति पर्यटन उद्यम के लिए हितकर नहीं है। उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता और उनकी व्यावसायिक उपयोगिता को बनाए रखने के लिए पर्यटकों की संख्या सुनिश्चित करना आवश्यक है। स्थानीय निवासियों से मधुर संबंध और सहयोग से ही पर्यटन उद्योग को टिकाऊ और दीर्घजीवी बनाया जा सकता है। स्थानीय लोगों का सहयोग तभी मिलेगा जब पर्यटन से उनके रोजमर्रा के कामों में व्यवधान उत्पन्न न हो और उन्हें पर्यटन से आर्थिक लाभ प्राप्त हो। उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को दीर्घकालिक बनाना है तो अनियंत्रित पर्यटन पर प्रभावी अंकुश लगाने और पर्यटन गतिविधियों को सीधे स्थानीय लोगों की आजीविका से जोड़ने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त खबरें

रुपया शुरूआती कारोबार में 20 पैसे मजबूत

मुंबई, यूटर्न/ 29 जून । रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में 20 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.25 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला, हालांकि मजबूत अमेरिकी डॉलर और निवेशकों की सीमित जोखिम लेने की प्रवृत्ति का असर बाजार धारणा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतें अनुकूल रहने और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार के कारण रुपये ने सकारात्मक शुरूआत की। रुपये के प्रति समग्र रुझान सकारात्मक बना हुआ है, लेकिन तत्काल चुनौती मजबूत अमेरिकी डॉलर है जो अब भी 13 महीने के उच्च स्तर के करीब बना हुआ है।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.36 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में मजबूती के साथ 94.25 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 20 पैसे की बढ़त दर्शाता है।रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.45 पर बंद हुआ था। मुहर्रम के कारण शुक्रवार को भारतीय शेयर, मुद्रा और जिंस बाजार बंद रहे थे।इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.37 पर रहा।

सोना 1,43,969 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,20,720 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून । सोने और चांदी के वायदा भाव में सोमवारको शुरूआती तेजी कायम नहीं रह सकी। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में कारोबार के दौरान कीमती धातुओं की चमक फीकी पड़ गई और भाव गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट शुरूआती तेजी के बाद 193 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,969 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 18 रुपये की तेजी के साथ 1,44,180 रुपये पर खुला था। वहीं, चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट भी 684 रुपये की गिरावट के साथ 2,20,720 रुपये प्रति किलोग्राम पर था, जबकि इसने 376 रुपये के उछाल के साथ 2,21,780 रुपये पर कारोबार की शुरूआत की थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 11.40 डॉलर की गिरावट के साथ 4,084.90 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 0.55 डॉलर की कमी के साथ 58.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने लीगल रिव्यू पर उठाए सवाल

मुंबई, यूटर्न/ 29 जून । एचडीएफसी बैंक की ओर से पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के रिव्यू के लिए नियुक्त की गई लीगल फर्मों ५ने काफी नियम एवं शर्तों के साथ रिपोर्ट जमा की है। इसमें बैंक के इंटरव्यू और बोर्ड मीटिंग के मिनट्स पर फोकस किया गया है। यह जानकारी चक्रवर्ती के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा कि उनका इस्तीफा बैंक की कुछ बिजनेस प्रैक्टिस और पर्सनल वैल्यू में अंतर को लेकर था और इसके जरिए कोशिश बैंक को अंतरिक समीक्षा के लिए प्रेरित करना था। लेकिन उनका कहना है कि लॉ फर्मों ने इसके बजाय अनुपालन के पहलू पर ध्यान केंद्रित किया। चक्रवर्ती का कहना है कि उन्होंने कई बार बैंक से पूछा कि आखिर किस कानूनी प्रावधान और शर्तें के तहत इन लॉ फर्मों को नियुक्त किया गया, लेकिन बोर्ड ने यह जानकारी उन्हें कभी नहीं दी। इसी वजह से उन्होंने इस पूरी कानूनी कवायद को अनावश्यक बताया।

एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामले पर चक्रवर्ती ने बताया कि दुबई का एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामला उनके कार्यकाल में सामने आया था। लेकिन बैंक ने उस समय तेजी से सुधारात्मक कदम उठाए थे। चक्रवर्ती ने यह बताने से इनकार कर दिया कि बैंक की कौन-सी कारोबारी प्रथाएं उनके मूल्यों के खिलाफ थीं।

बीते एक दशक में बने मजबूत एनर्जी इन्फ्रा से भारत को मध्य पूर्व तनाव से निपटने में मिली मदद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून । मध्य पूर्व तनाव से निपटने की भारत की प्रक्रिया कई अन्य देशों की तुलना में बेहतर थी। इसकी वजह देश में पिछले एक दशक में बनाया गया इन्फ्रास्ट्रक्चर था, जिससे हॉर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद भी पेट्रोल पंप और एलपीजी की आपूर्ति सामान्य बनी रही। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। पेट्रोलियम मंत्रालय के कहा, भारत कच्चे तेल की अपनी स्थिति को सिर्फ स्टॉक के भरोसे नहीं, बल्कि अलग-अलग स्त्रोतों से तेल मंगाकर सुरक्षित रखता है। देश को तेल आपूर्ति करने वाले देशों की संख्या 27 से बढ़कर 41 हो गई है; इसमें लीबिया, गैबॉन, इक्वेटोरियल गिनी और गुयाना जैसे नए देश शामिल हुए हैं, साथ ही अमेरिका और रूस से भी तेल की आपूर्ति बढ़ाई गई है। मंत्रालय ने बताया कि इसके साथ ही रूटिंग भी बदल गई है, जिससे अब भारत का बहुत कम कच्चा तेल होर्मुज से होकर गुजरता है। आईएसपीआरएल के तहत स्ट्रैटेजिक रिजर्व में लगभग 5.33 मिलियन टन तेल है, जो लगभग तीन हफ्ते की जरूरत को पूरी कर सकता है। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल था जो इस हॉर्मुज स्ट्रेट से अपने कार्गो की आवाजाही जारी रख पाए और किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कोई कमी नहीं हुई। इसके अलावा, एथेनॉल ब्लेंडिंग का 20 प्रतिशत तक पहुंचना एक और संरचनात्मक राहत देता है, जिससे हर साल कच्चे तेल के आयात की भारी मात्रा की बचत होती है।

भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए किया पार : हरदीप पुरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।**

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है, साथ ही कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की।

चार महीने तक होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को इस व्यवधान के असर से बचाने के लिए कई आपातकालीन उपाय किए। उन्होंने कहा, 'जब दुनिया ऊर्जा के सबसे बुरे संकटों में से एक और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का सामना कर रही थी, तब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा उपभोक्ताओं को किसी भी नकारात्मक असर से प्रभावी ढंग से बचाया।'

मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात के स्त्रोतों में विविधता लाकर, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके और कई देशों से एलपीजी की वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित करके घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई की कमी से बचाया। उन्होंने कहा कि सरकार के कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि ग्लोबल एनर्जी संकट के बावजूद कुकिंग गैस और ईंधन की सप्लाई स्थिर बनी रही। संकट के दौरान उठाए गए कदमों में मार्च में ईंधन पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती भी शामिल थी।

उन्होंने कहा, 'घरों तक पहुंचने वाली कुकिंग गैस की पूरी सुरक्षा की गई और कालाबाजारी करने वालों द्वारा इस कीमती सप्लाई की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया।'

पुरी ने बताया कि जिन रिफाइनरियों में पहले कभी कुकिंग गैस का उत्पादन नहीं हुआ था, उनमें उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ ही दिनों में बदलाव किए गए। नतीजतन, एलपीजी का उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रतिदिन हो गया। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ एलपीजी सप्लाई के नए इंतजाम किए, साथ ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त खेप हासिल कीं।

नेशनल हाईवे पर अब 60 किमी के दायरे में बार-बार टोल नहीं

नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून । केंद्र सरकार ने देश के राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर वाहन चालकों के लिए एक महत्वपूर्ण और भविष्योन्मुखी निर्णय लिया है। नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसीजर (एसओपी) के तहत अब नए बनने वाले हाईवेज पर हर 60 किलोमीटर के दायरे में बार-बार टोल नहीं देना होगा। यह कदम न केवल वर्तमान में चालकों को तत्काल राहत देगा, बल्कि भविष्य की सड़कों के लिए एक सुव्यवस्थित और अधिक सुविधाजनक टोल संग्रह प्रणाली की नींव भी रखेगा, जिससे लंबी दूरी की यात्राएं और भी सुगम हो जाएंगी और समय व ईंधन दोनों की बचत होगी।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी नई एसओपी के अनुसार, अब देश में निर्मित होने वाले किसी भी नए हाईवे पर 60 किलोमीटर से पहले कोई टोल प्लाजा स्थापित नहीं किया जाएगा। यह नीति उन वर्तमान समस्याओं का समाधान करती है जहां वाहन चालकों को कम दूरी में कई बार टोल चुकाना पड़ता है। वर्तमान में देशभर में ऐसे लगभग 130 स्थान हैं जहां 60 किमी की दूरी में दो बार और 22 स्थान ऐसे हैं जहां 30 किमी की दूरी पर टोल लिया जाता है।

सरकार का यह अग्रगामी कदम भविष्य की सड़क परियोजनाओं को इस तरह से डिजाइन करने पर केंद्रित है ताकि यात्रियों को बिना किसी अनावश्यक बाधा के यात्रा का अनुभव मिल सके।

हालांकि, अगर किसी विशेष परिस्थिति में, कोई कंपनी या ठेकेदार 60 किलोमीटर से कम दूरी पर या किसी शहर की सीमा से 10 किलोमीटर के दायरे में टोल प्लाजा बनाना चाहता है, तो उसे सड़क निर्माण से पहले टोल कमेटी से विशेष लिखित अनुमति लेनी अनिवार्य होगी।

गुजरात ने नई औद्योगिक नीति के तहत पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ के नए निवेश का लक्ष्य रखा

वडोदरा, यूटर्न/ 29 जून । गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने सोमवार को कहा कि राज्य ने अपनी नई 'विकसित गुजरात औद्योगिक नीति-2026' के तहत अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपए का नया निवेश लक्ष्य के तौर पर रखा है। वडोदरा में 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संघवी ने कहा कि सरकार सिर्फ रेगुलेटर के तौर पर नहीं बल्कि इंडस्ट्री के पार्टनर के तौर पर काम करेगी। साथ ही, उन्होंने पॉलिसी में स्थिरता और तेजी से काम पूरा करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य बिल्कुल साफ है। अगले पांच सालों में हम 10 लाख करोड़ रुपए का नया निवेश करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में हम गुजरात के अलग-अलग इलाकों में ये निवेश लाने में सफल होंगे।'

रेनॉल्ट नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।**

फ्रांसीसी वाहन निमार्ता कंपनी रेनॉल्ट एक नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में रेनॉल्ट कंपनी ने अपनी 'ब्रिजर' कॉन्सेप्ट कार पेश की है, जिसके आधार पर नई सब-4 मीटर एसयूवी विकसित की जाएगी।

रेनॉल्ट की योजना इस मॉडल को वर्ष 2027 के अंत तक भारतीय बाजार में उतारने की है।

खास बात यह है कि इस वाहन का निर्माण और असेंबली पूरी तरह भारत में होगी तथा इसे घरेलू बाजार के साथ-साथ विदेशों में भी निर्यात किया जाएगा। नई एसयूवी को विशेष रूप से पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जा रहा है। इसका आकार कॉम्पैक्ट होगा, जिससे शहरी ट्रैफिक में इसे चलाना आसान रहेगा। बावजूद इसके, कंपनी इसमें पर्याप्त केबिन स्पेस देने का दावा कर रही है। वाहन में 200 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलेगा, जो भारतीय सड़कों की परिस्थितियों के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। इसके अलावा 400 लीटर का बड़ा बूट स्पेस और पिछली सीट पर लगभग 200 मिमी का लेगरूम यात्रियों के लिए बेहतर आराम सुनिश्चित करेगा।

भारतीय बाजार में यह मॉडल रेनॉल्ट काइगर से ऊपर की श्रेणी में रखा जाएगा।

इसका मुकाबला किआ साइरोस और महिंद्रा विजन एस जैसी कॉम्पैक्ट एसयूवी से होने की संभावना है। नई एसयूवी कंपनी के आरजीएमपी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिस पर पेट्रोल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक तीनों प्रकार के वाहन विकसित किए जा सकते हैं। शुरूआती दौर में इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिए जाने की उम्मीद है। रेनॉल्ट ने वर्ष 2030 तक भारत में चार नए मॉडल लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी की रणनीति के तहत सभी नए वाहनों का डिजाइन और विकास भारत में ही किया जाएगा। नई पीढ़ी की डस्टर और उसके सात-सीटर संस्करण के बाद ब्रिजर आधारित यह एसयूवी बाजार में उतारी जाएगी।

होंडा एक्टिवा स्कूटर की 2.28 लाख से अधिक इकाइयां बेची

नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून । बीते महीने देश के शीर्ष पांच सर्वाधिक बिकने वाले स्कूटरों की सूची सामने आई है, जिसमें होंडा, टीवीएस और सुजुकी जैसी कंपनियों के मॉडल शामिल हैं। इस सूची में होंडा एक्टिवा ने एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल किया है। हाल ही में जारी हुई एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते महीने इस लोकप्रिय स्कूटर की 2.28 लाख से अधिक इकाइयां बेची गईं। यह पिछले साल इसी अवधि (मई 2025) के दौरान बेची गई 1.90 लाख इकाइयों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो बाजार में एक्टिवा की मजबूत पकड़ को उजागर करता है। दूसरे स्थान पर टीवीएस जुपिटर ने अपनी जगह बनाई है। कंपनी ने बीते महीने जुपिटर की 1.24 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री की। यह संख्या 2025 के मई महीने में 97 हजार से अधिक यूनिट्स की बिक्री से कहीं अधिक है, जो टीवीएस के इस मॉडल की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। सुजुकी एक्सेस ने 75 हजार से अधिक इकाइयों की बिक्री के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। हालांकि, पिछले वर्ष 2025 की समान अवधि की तुलना में इसकी बिक्री में मामूली 49 यूनिट्स की कमी दर्ज की गई है, फिर भी यह मॉडल शीर्ष तीन में अपनी उपस्थिति बनाए रखने में सफल रहा। इसके बाद, टीवीएस एनटॉर्क ने लगभग 34 हजार यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जो पिछले वर्ष की 25 हजार यूनिट्स की तुलना में अच्छी वृद्धि है।

बच्चे के साथ बराती बनकर पहुंचा चोर, नकदी व गहनों का बैग चुराया

» इंदिरापुरम, यूटर्न/ 29 जून ।

कनावनी स्थित बरातघर में आयोजित शादी समारोह के दौरान बराती बनकर पहुंचे युवक ने बच्चे की मदद से करीब पांच लाख रुपये के गहने और 75 हजार रुपये की नकदी से भरा बैग चोरी कर लिया। पूरी वारदात बरातघर के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में कैद हो गई। दूल्हे के भाई दिल्ली के गीता कॉलोनी निवासी गौरव की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है।

26 जून को दिल्ली की गीता कॉलोनी निवासी सौरभ मिश्रा की शादी थी। कनावनी स्थित बरातघर में विवाह समारोह था। उनके भाई गौरव ने बताया कि देर रात जयमाला के समय एक युवक बच्चे के साथ समारोह में पहुंचा। काफी देर तक दोनों घूमते रहे। इस दौरान दोनों ने खाना भी खाया। इसके कुछ देर बाद युवक ने बच्चे को इशारा किया और बरातघर के बाहर चला गया।

तभी बच्चे ने स्टेज के पास लगे सोफे पर बैठीं उनकी मां के पास रखे बैग को कोट के अंदर छिपाकर उठाया और बाहर भाग गया। गौरव ने बताया कि पर्स में करीब पांच लाख रुपये के गहने और 75 हजार रुपये की नकदी थी। जब मां का ध्यान बैग पर गया तब चोरी का पता चला।

काफी देर तलाशने के बाद बैग नहीं मिला तब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। उसमें पूरी वारदात दिखाई दी। बरातघर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में आरोपी बच्चे के साथ बाइक से भागते हुए भी दिखाई दिए हैं।

इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से की। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बाइक को ट्रेस किया जा रहा है। जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एक सप्ताह में 41 साइबर ठग गिरफ्तार, 19.56 लाख रुपये बरामद

फरीदाबाद, यूटर्न/ 29 जून । पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 20 से 26 जून के बीच एक सप्ताह में 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान साइबर थाना पुलिस ने 11 मामलों में कार्रवाई करते हुए 19.56 लाख रुपये बरामद किए हैं। वहीं 391 साइबर शिकायतों का निस्तारण कर 6.82 लाख रुपये विभिन्न खातों में फ्रीज कराए गए हैं। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में तीनों साइबर थानों की टीमों ने यह कार्रवाई की। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में साइबर थाना एनआईटी के छह, साइबर थाना सेंट्रल के तीन और साइबर थाना बल्लभगढ़ के दो मामलों से जुड़े आरोपी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में विश्वास उर्फ जाय, सुजीत कुमार मंडल, अमित कुमार, सुयश मिश्रा, रविंद्र शर्मा, मनीष सैनी, शुभम, सुभाष, अरबाज खान, आशुतोष, अमित कश्यप, संजय, नीलू सिंह गुर्जर, अरुण, अवतार, अमन, प्रिंस, तेजश, राहुल अवस्थी, संदीप, नदीम, राम हर्ष, हर्षित मिश्रा, बिजेंद्र सिंह, गोपाल दान, नागपाल सिंह, गगन, अनिल, गुरजंट सिंह, अमित सिंह, सुरेंद्र सिंह, जावेद अली, बलजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, पूजा शर्मा, कमल किशोर, जतिन बाबू, राहुल गुप्ता व दो अपचारी बालक शामिल हैं।

रात्रि गश्त से लौट रहे एसपीओ को वाहन ने मारी टक्कर, घायल

फरीदाबाद, यूटर्न/ 29 जून । रात्रि गश्त पूरा कर चौकी लौट रहे विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) को अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एसपीओ रविंद्र कुमार घायल हो गए। इस मामले में थाना सेंट्रल पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झज्जर जिले के भूरावास निवासी एसपीओ रविंद्र कुमार पुलिस चौकी सेक्टर-15ए में तैनात हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि 23 जून की रात करीब 1:50 बजे वह सिपाही मनीष के साथ रात्रि गश्त समाप्त कर चौकी लौट रहे थे। नीलम मेट्रो स्टेशन से अजरौंदा मोड़ की ओर मुड़ते समय पीछे से तेज रफ्तार सफेद रंग के वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिर गए और उनके सिर, कान व गर्दन में चोटें आईं। वाहन चालक मौके से भाग गया। घायल रविंद्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मेडिकल जांच की गई।

मस्तिष्क रोग विभाग नहीं होने से बेहोश युवती को किया दिल्ली रेफर

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 29 जून ।

जिला नागरिक अस्पताल में मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ और संबंधित उपचार सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण एक बेहोश युवती को प्राथमिक उपचार के बाद दिल्ली रेफर करना पड़ा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद युवती की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे उच्च स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। पर्वतीय कॉलोनी निवासी रुचिका को रविवार दोपहर परिजन बेहोशी की हालत में बीके नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि रुचिका घर पर काम कर रही थी। इसी दौरान वह अचानक गिर गई और बेहोश हो गई। आनन-फानन में उसे अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच की। रुचिका की मां रेखा देवी ने बताया कि उनकी बेटी दोपहर में घर का काम कर रही थी। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर गिर गई। उन्होंने कहा कि अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि रुचिका को मस्तिष्क संबंधी समस्या हो सकती है, लेकिन बीके अस्पताल में इसके समुचित उपचार की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके चलते उसे दिल्ली के बड़े अस्पताल में ले जाने की सलाह दी गई।

रेखा देवी ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह के बाद परिवार ने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था की और रुचिका को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली लेकर रवाना हो गए। परिजनों का कहना है कि जिला नागरिक अस्पताल में न्यूरोलॉजी विभाग नहीं होने के कारण मस्तिष्क संबंधी गंभीर मरीजों को अक्सर दिल्ली या अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगर किसी मरीज की स्थिति गंभीर होती है और अस्पताल में उसके उपचार की समुचित सुविधा उपलब्ध नहीं होती है तो बिना देर किए उसे उच्चतर स्वास्थ्य केंद्र में रेफर किया जाता है। इस मामले में भी मरीज के हित को देखते हुए यही किया गया है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार कारोबारी की मौत

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 29 जून ।

खेड़ीपुल थाना क्षेत्र में अमृता अस्पताल के पास शनिवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार 47 वर्षीय कारोबारी घायल हो गया। उनको निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर रविवार को अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सुनील धिमान (47) के रूप में हुई है, जो पुराने रेलवे स्टेशन के पास अपनी वर्कशॉप संचालित करते थे। शिकायतकर्ता हेमंत धिमान ने बताया कि 27 जून की रात करीब 11:55 बजे पड़ोसी प्रदीप गौतम ने दुर्घटना की सूचना दी। परिवार के लोग तुरंत सेक्टर-88 स्थित निजी अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने सुनील धिमान को मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर उनकी बाइक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त मिला, जिससे किसी तेज रफ्तार वाहन की टक्कर की आशंका जताई गई है।

अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। हेमंत धिमान की शिकायत के आधार पर खेड़ीपुल थाना पुलिस ने 28 जून को अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल का कहना है कि वाहन और चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्कूटी ट्रेस फिर भी फायरिंग करने वालों को नहीं पकड़ पा रही पुलिस

खोड़ा, यूटर्न/ 29 जून । मास्टर पार्क कॉलोनी निवासी भवन निर्माण सामग्री विक्रेता सीताराम पाल पर गोली चलाने वाले को पुलिस सात दिन बाद भी गिरफ्तार नहीं कर पाई है। वहीं पुलिस ने आरोपियों की स्कूटी और उनके भागने का रास्ता ट्रेस करने का दावा भी किया है। इसके बावजूद अब तक आरोपी पुलिस को चकमा देने में कामयाब रहे हैं। 21 जून की सुबह करीब 11 बजे सीताराम पाल की दुकान पर दो नकाबपोश स्कूटी सवार पहुंचे थे। स्कूटी चालक ने देसी तमंचे से कारोबारी पर फायर झोंका था। गनीमत रही कि कारोबारी बाल-बाल बचे। इसके बाद पूरे इलाके में दिन-दहाड़े हुई इस वारदात से हलचल मच गई। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई और फुटेज सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुई। कुछ दिन पहले खोड़ा पुलिस ने दावा किया था कि उन्होंने स्कूटी ट्रेस कर ली है और आरोपियों के काफी करीब पहुंच चुकी है। वहीं वारदात को सात दिन बीत चुके हैं, लेकिन आरोपियों को दबोचने में पुलिस नाकाम रही है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तारी के लिए दो टीमें दूसरे जिले में रवाना की गई हैं। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

टीएचए में पांच घंटे गुल रही बिजली तो कहीं फॉल्ट से परेशान रहे लोग

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 29 जून ।

टीएचए में शनिवार रात को तकनीकी खराबी और फॉल्ट के कारण कई इलाकों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। टीला मोड़ स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में 33 केवी लाइन फेल होने और जंपर फुंकने से रात करीब 11 बजे से सुबह 4 बजे तक बिजली गुल रही। वहीं कोयल एन्क्लेव और विक्रम एन्क्लेव सबस्टेशन से जुड़े गगन विहार, डीएलएफ-1, विक्रम एन्क्लेव-1 और शहीद नगर फीडरों में भी फॉल्ट आने से आपूर्ति प्रभावित रही।

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में करीब 15 हजार की आबादी को भीषण गर्मी में बिना बिजली के रात बितानी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से लो वोल्टेज, हाई वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है। गौरव रावत ने बताया कि बिजली की अनियमित आपूर्ति से एसी, कूलर और पंखे तक ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। वहीं महेंद्र पाल ने बताया कि शुक्रवार रात को भी चार से पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही थी। उधर, कोयल

एन्क्लेव सबस्टेशन के 11 केवी गगन विहार फीडर पर एबी केबल की मरम्मत के लिए करीब 30 मिनट का शटडाउन लिया गया। जबकि विक्रम एन्क्लेव सबस्टेशन के डीएलएफ-1, विक्रम एन्क्लेव-1 और शहीद नगर फीडर ब्रेकडाउन के कारण बंद रहे। बिजली विभाग की टीम ने फॉल्ट की पेट्रोलिंग और मरम्मत कार्य किया, जिसके बाद रात करीब 2:30 बजे बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। उपखंड अधिकारी बृजमोहन दुबे ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं, ताकि उपभोक्ताओं को बार-बार होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

पत्नी को लेने ससुराल जा रहे युवक का कार में मिला शव, हत्या की आशंका

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 29 जून ।

टीलामोड़ थानाक्षेत्र के निस्तौली निवासी अखिलेश उर्फ सोनू पुरोहित (30) का शव भारत सिटी सोसायटी के पास संचालित पेट्रोल पंप से कुछ दूरी पर 28 जून को उन्हीं की कार में मिला। 27 जून की शाम वह पत्नी को मायके से लाने के लिए घर से निकले थे। घंटों तक मोबाइल फोन पर बात न होने पर परिवार वालों ने तलाश शुरू की तब सड़क किनारे कार और शव मिला। शरीर पर चोट के निशान देखकर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

निस्तौली निवासी कैलाश पुरोहित ने बताया कि उनका इकलौता बेटा अखिलेश नोएडा स्थित निजी कंपनी में नौकरी करता था। करीब डेढ़ वर्ष पहले उसकी देहरादून निवासी प्रज्ञा से शादी हुई थी। करीब एक सप्ताह पहले बहू अपने मायके गई थी। रविवार को उसे वापस आना था। शनिवार शाम करीब तीन बजे बेटा घर से देहरादून जाने के लिए निकला था। उसने रास्ते से पत्नी को मैसेज करके भी इसकी जानकारी दी थी। बताया कि रास्ते में कार चलाने की बात सोचकर उन्होंने भी बेटे को काफी देर तक कॉल नहीं की और बहू ने भी। कई घंटे बाद भी जब बेटा देहरादून नहीं पहुंचा तब उन्होंने खोजबीन शुरू की। बताया कि भारत सिटी सोसायटी से कुछ ही दूरी पर स्थित पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे उसकी कार सड़क किनारे खड़ी मिली। बताया कि बेटे का एक पैर स्टेरिंग पर था और सिर दोनों सीट के बीच में। उसके चेहरे और आंख के पास चोट के निशान भी थे। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस पहुंची और युवक को अस्पताल भिजवाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को मोर्चरी भिजवाया गया। अखिलेश के परिवार में माता-पिता, पत्नी और करीब आठ माह का बेटा है।

पहले जाने वाले थे पिता, फिर खुद किया सफर

कैलाश पुरोहित ने बताया कि शुक्रवार सुबह बेटे ने उन्हें कॉल की थी। कार्यालयी कार्यों के चलते देहरादून जाने में असमर्थता भी जताई थी। तब उन्होंने कहा कि बहू को लाने के लिए वह खुद देहरादून चले जाएंगे। शाम करीब 3 बजे बेटे की दोबारा कॉल आई और तब उसने कार्यालय की बैठक से मुक्त होने की बात कहते हुए देहरादून के लिए रवाना होने के बारे में बताया। किसे पता था कि यह बेटे के जीवन का आखिरी सफर होगा। वहीं रास्ते में अखिलेश ने पत्नी प्रज्ञा को मैसेज करके यह भी कहा था कि उन्हें जरूरी काम से सहारनपुर जाना पड़ रहा है, लेकिन वह पहुंचेंगे जरूर।

जर्नलिस्ट ने लिखा, 'मिस नंगी। मेरा मेकअप और बाल मत देखो। समाज में अपनी बेशर्मी देखो। नकली बूब्स और फिलर्स और बोटॉक्स किसी को भी जवान दिखा सकते हैं। मैं अपनी स्किन में खुश हूं और फेमस होने के लिए मुझे न्यूड होने या प्लास्टिक पहनने की जरूरत नहीं है।'

'नंगी' टिप्पणी और धर्म परिवर्तन के दावे पर भड़कीं ऊर्फी जावेद

सोशल मीडिया पर्सनैलिटी ऊर्फी जावेद ने एक जर्नलिस्ट के उन्हें 'नंगी' कहने और यह दावा करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है कि उन्होंने इस्लाम से हिंदू धर्म अपना लिया है। जर्नलिस्ट ने आगे आरोप लगाया कि ऊर्फी 'आधे-नंगे' कपड़े पहनने के लिए जानी जाती हैं और उन्हें 'बेकार और बेशर्मी से' कपड़े पहनने वाला बताया, साथ ही यह भी दावा किया कि उन्होंने इस्लाम से हिंदू धर्म अपना लिया है।

ऊर्फी, जो पीछे न हटने के लिए जानी जाती हैं, ने इस बात पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए, ऊर्फी ने जवाब दिया, '@मीता चौधरी आंटी बहुत ट्रिगर हो गईं! लेकिन फिर भी उनके फैक्ट्स गलत हैं, मुझे नकली बूब्स नहीं मिले हैं।

फेक न्यूज मत फैलाओ : ऊर्फी ने जर्नलिस्ट को जवाब दिया

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर, ऊर्फी ने जर्नलिस्ट मीता चौधरी पर निशाना साधते हुए लिखा, 'कैसे कैसे चोमू लोग अपने आप को जर्नलिस्ट बोलते हैं! आंटी, प्लीज थोड़ा होमवर्क कर लीजिए, मैंने कभी अपना नाम या धर्म नहीं बदला। साथ ही, मैं किसी धर्म को नहीं मानती। साथ ही, मैं सिर्फ.अपने कपड़ों से ही नहीं, अपनी बातों से भी नंगी हूँ, लेकिन आज मूड नहीं है। साथ ही, एक बार गूगल कर लो कि मेरे नाम कितने शो हैं।'

आपका गंदा मेकअप देखकर शर्म आ गई

ऊर्फी ने आगे कहा, 'मुझे आपका गंदा मेकअप देखकर शर्म आ गई और आप की जर्नलिज्म पे। बुराई करनी है करो बिंदास, लेकिन फेक न्यूज मत फैलाओ क्योंकि मैं तुम्हारे साथ ऐसा नहीं कर सकती क्योंकि किसी को परवाह नहीं है आंटी जी।'

सिर्फ इसलिए कि तुम्हारा चेहरा ढीला दिखता है...

एक और पोस्ट में जर्नलिस्ट को एक्सपोज करते हुए, बाद वाले ने ऊर्फी की स्टोरी का जवाब दिया जब उसने जर्नलिस्ट को बुरा-भला कहा। जर्नलिस्ट ने लिखा, 'मिस नंगी। मेरा मेकअप और बाल मत देखो। समाज में अपनी बेशर्मी देखो। नकली बूब्स और फिलर्स और बोटॉक्स किसी को भी जवान दिखा सकते हैं। मैं अपनी स्किन में खुश हूं और फेमस होने के लिए मुझे न्यूड होने या प्लास्टिक पहनने की जरूरत नहीं है।' बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए, ऊर्फी ने जवाब दिया, '@मीता चौधरी आंटी बहुत ट्रिगर हो गईं! लेकिन फिर भी उनके फैक्ट्स गलत हैं, मुझे नकली बूब्स नहीं मिले हैं। सिर्फ इसलिए कि उनका चेहरा ढीला दिखता है, वह बूब्स को लेकर

ऑब्सेस्ड हैं।' वर्क फ्रंट पर, ऊर्फी हाल ही में लॉक अप के प्रीमियर एपिसोड में दिखाई दीं, जहाँ वह योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी स्प्लिट्सविला लव स्टोरी के बारे में बात करती हुई दिखाई दीं।

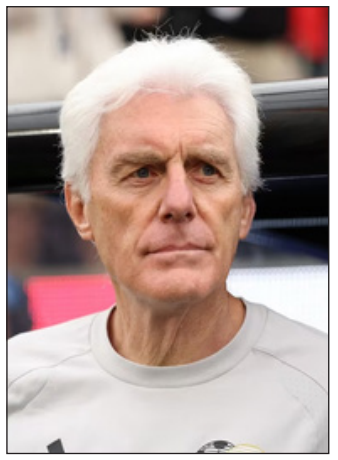

फीफा वर्ल्ड कप से बाहर होने से निराश हूं, लेकिन टीम के प्रदर्शन पर गर्व: 'गो ब्रूज

साउथ अफ्रीका का फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सफर समाप्त हो गया है। राउंड ऑफ 32 के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को कनाडा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। साउथ अफ्रीका के हेड कोच 'गो ब्रूज ने हार के बाद निराशा जाहिर की, लेकिन टीम के पहली बार नॉकआउट स्टेज तक पहुंचने को बड़ी उपलब्धि करार दिया। 'गो ब्रूज ने कहा कि भले ही हार से निराशा हुई है, लेकिन उनकी टीम को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि वह पहली बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज तक पहुंची। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट से पहले किसी ने भी साउथ अफ्रीका के इस स्तर तक पहुंचने की उम्मीद नहीं की थी। साउथ अफ्रीका का अभियान चुनौतीपूर्ण रहा। टीम ने पहले मैच में मेक्सिको से हार झेली थी, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए चेकिया के खिलाफ ड्रॉ खेला और फिर कोरिया को 1-0 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में प्रवेश किया।

फोटो स्टोरी

नीदरलैंड में मोटो जीपी ऐस में आगे निकलते हुए एआई ओक्यूरा।

ईशान में एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की भी सभी योग्यताएं: श्रीकांत

चेन्नई, यूटर्न/ 29 जून । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है। गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारुप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है।

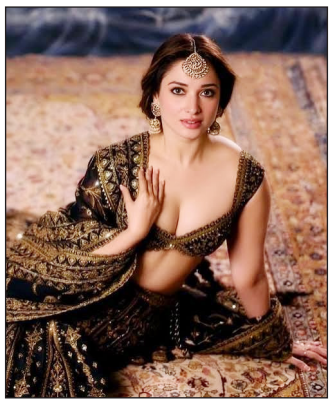

तमन्ना ने उठाई आवाज

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में साउथ फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के चित्रण और उनके प्रति अपना दृष्टिकोण साझा कर एक नई बहस को जन्म दिया है। हिंदी और साउथ, दोनों फिल्म इंडस्ट्री में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकीं तमन्ना ने महिलाओं को पर्दे पर कैसे प्रस्तुत किया जाता है, इस विषय पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हिंदी सिनेमा की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं को देखने और प्रस्तुत करने का तरीका अलग है। अभिनेत्री ने यह स्पष्ट रूप से कहा कि कई बार महिलाओं को जिस तरह से दिखाया जाता है या उनके प्रति जो सोच रखी जाती है, वह उतनी सकारात्मक या संतुलित नहीं होती। एक हालिया साक्षात्कार के दौरान तमन्ना भाटिया ने बताया कि उनके ये विचार व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित हैं। उनके अनुसार, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में पुरुषों का प्रभाव अधिक देखने को मिलता है, और कई बार महिलाओं के प्रति सोच भी उसी अनुसार ढल जाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को जिस दृष्टि से देखा और पेश किया जाता है, वह हमेशा प्रगतिशील या समान नहीं लगता।

एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर बार्सिलोना जाना चाहते हैं अल्वारेज

न्यूजर्सी, यूटर्न/ 29 जून । अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज अब एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर शीर्ष स्पेनिश क्लब बार्सिलोना जाना चाहते हैं। अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप में ऑस्ट्रिया पर जीत के बाद अल्वारेज ने भी माना है कि वह अब एटलेटिको मैड्रिड से आगे बढ़ना चाहते हैं वहं दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड इसके लिए तैयार नजर नहीं आता ।अल्वारेज के अनुसार भविष्य के लिए ट्रांसफर सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में क्लब के अधिकारियों के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने किसी क्लब का नाम नहीं लिया, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार स्पेनिश दिग्गज बार्सिलोना में खेलने की उनकी इच्छा किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह से बार्सिलोना, पेरिस सेंट जर्मेन (ढरञ्) और आर्सेनल जैसे बड़े क्लबों का नाम जूलियन अल्वारेज के साथ जोड़ा जा रहा था। वहीं, स्पेन की मीडिया में लगातार यह दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी और बार्सिलोना के बीच व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति भी बन चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पांच साल के अनुबंध को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है।

हालांकि, एटलेटिको मैड्रिड ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा है कि जूलियन अल्वारेज बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं हैं। क्लब के अनुसार, यदि कोई टीम खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ना चाहती है तो उसे 500 मिलियन यूरो की रिलीज क्लॉज राशि का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, किसी भी प्रकार की बातचीत या समझौते की संभावना नहीं है। बार्सिलोना पहले ही एटलेटिको मैड्रिड को एक बड़ी राशि का प्रस्ताव भेज चुका था, लेकिन उसे तुरंत खारिज कर दिया गया। इतना ही नहीं, क्लबों के बीच सोशल मीडिया पर भी अप्रत्यक्ष बयानबाजी देखने को मिली है। दूसरी ओर, रियल मैड्रिड की ओर से भी कथित रूप से भारी भरकम प्रस्ताव भेजे जाने की खबरें सामने आई थीं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया गया।

अल्वारेज का करियर पिछले कुछ वर्षों में बेहद तेजी से आगे बढ़ा है। वर्ष 2022 में इंग्लैंड के मैनचेस्टर सिटी ने उन्हें अर्जेंटीना के रिवर प्लेट क्लब से अपेक्षाकृत कम कीमत पर अपने साथ जोड़ा था। उसी वर्ष उन्होंने अर्जेंटीना के साथ विश्व कप जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्होंने कोपा अमेरिका और क्लब स्तर पर कई बड़ी सफलताएं हासिल की थीं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

वेनेजुएला में भूकंप के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मृतकों की संख्या बढ़कर 1450 हुई

कारावास, यूटर्न/ 29 जून । वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,450 हो गई है। नेशनल इमरजेंसी पर सरकार के नए अपडेट में रोड्रिगेज ने कहा कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद, वेनेजुएला में 430 हल्के से मध्यम झटके रिकॉर्ड किए गए हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इससे पहले शनिवार को उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि इस आपदा से 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार प्रभावित हुए हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों की ओर से, रोड्रिगेज ने इस प्राकृतिक आपदा के हजारों पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई।

शांति समझौते की एक लाइन ने अमेरिका-ईरान में फिर छेड़ा टकराव

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए शांति समझौते की एक छोटी सी लाइन अब दोनों देशों के बीच नए टकराव का कारण बन गई है। दोनों देश जिस होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत हुए थे, उसी पर अधिकार को लेकर पिछले सप्ताह से आमने-सामने आ गए हैं। हालात इस कदर बिगड़ गए कि एक बार फिर जहाजों पर हमले हुए, जवाब में अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमले किए और दुनिया की सबसे अहम तेल सप्लाई रूट फिर से तनाव के साये में आ गई। हालांकि, सोमवार को राहत की खबर आई कि दोनों पक्ष लड़ाई रोकने पर सहमत हो गए हैं और मंगलवार को कतर में बातचीत करेंगे।

पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक में मारे गए आम लोग, पूर्व राजदूत बोले- मतभेद सुझलाना नहीं चाहता इस्लामाबाद

» **काबुल, यूटर्न/ 29 जून ।**

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान के पक्तिका, पक्तिया और कुनार प्रांतों के रिहायशी इलाकों में हवाई हमले किए हैं, जिनमें महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

मुजाहिद ने इस कार्रवाई को 'कायरतापूर्ण आक्रामण' करार देते हुए कहा कि यह हमला रविवार रात पक्तिका के गयान जिले, पक्तिया के त्सामकानी जिले और कुनार के मानोगाई जिले में किया गया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स में मुजाहिद ने कहा, 'पिछली रात पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के गयान जिले, पक्तिया प्रांत के त्सामकानी जिले और कुनार प्रांत के मानोगाई जिले के नागरिक इलाकों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिक मारे गए और घायल हुए। हम इस कायर आक्रमण की कड़ी निंदा करते हैं और इसे अपराध तथा क्रूरता मानते हैं।'

पिछले कुछ महीनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच कई बार गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं और नागरिक हताहतों को लेकर चिंता बढ़ी है। इस बीच, अफगानिस्तान में अमेरिका के पूर्व राजदूत जल्मय खलीलजाद ने भी इस हमले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय और अपने ही नागरिकों की बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की अपीलों को नजरअंदाज करते हुए सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुना, जिसमें कई निर्दोष नागरिक मारे गए और घायल हुए।

बीएनपी ने 1971 के मुक्ति संग्राम के रुख को लेकर जमात को घेरा, माफी की मांग की

» **विक्टोरिया, यूटर्न/ 29 जून ।**

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार ने 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश लिबरेशन वॉर में कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी की भूमिका की आलोचना की है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बीएनपी सरकार ने कहा है कि पार्टी ने देश की आजादी का विरोध करने के लिए अभी तक माफी नहीं मांगी और उसके पास अपनी बात पर फिर से सोचने का समय है।

प्रस्तावित 2026-27 बजट को लेकर संसदीय चर्चा के दौरान बीएनपी के महासचिव और स्थानीय सरकार, ग्रामीण विकास और सहकारिता (एलजीआरडी) मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि अगर विपक्षी पार्टी जमात 1971 के लिबरेशन वॉर पर खुलकर अपना रुख स्पष्ट करे और अपनी भूमिका को माने, तो देश में उनकी राजनीतिक राह आसान हो जाएगी। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने फखरुल के हवाले से कहा, '1971 में अपनी भूमिका के लिए आपने एक बार भी माफी नहीं मांगी। आपको देश के सामने माफी मांगनी चाहिए थी। अगर आपने ऐसा किया होता, तो आज ये दिक्कतें नहीं होतीं। लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। इसके उलट, आपके नेता गुलाम आजम ने कहा था कि 1971 में 'हमने कोई गलती नहीं की।' आप अब इस पर फिर से सोच भी सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'आपको बांग्लादेश पर अपनी राय हमें, देश को साफ करनी चाहिए। मैं इससे आगे नहीं जाना चाहता।'

नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के जमात के साथ गठबंधन का जिक्र करते हुए, फखरुल ने कहा कि एनसीपी ने खुद को एक ऐसी राजनीतिक ताकत के साथ जोड़ लिया है जो बांग्लादेश की आजादी में यकीन नहीं करती। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ेंगे, वे अपनी राजनीति को और स्पष्ट करेंगे। इन युवा नेताओं में बहुत क्षमता है। वे अच्छा करेंगे। हम चाहते हैं कि वे कामयाब हों। लेकिन उन पर यह दाग नहीं लगना चाहिए कि वे उन लोगों से जुड़े हैं जिन्होंने बांग्लादेश के होने को ही नकार दिया।' इस बीच, बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने भी लिबरेशन वॉर में जमात की भूमिका पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या इसे सच में एक धार्मिक पार्टी माना जा सकता है। इस बात पर जोर देते हुए कि जमात के इतिहास की चर्चा में 1971 में उसकी भूमिका को भी शामिल किया जाना चाहिए, अहमद ने कहा, 'नेशनल फ्रीडम फाइटर्स काउंसिल एक्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि उस समय जमात ने लिबरेशन वॉर का विरोध किया था। यह बात तय हो चुकी है।' इससे पहले, 'टाइम्स ऑफ बांग्लादेश' की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 1971 के बांग्लादेश लिबरेशन वॉर के दौरान पाकिस्तान और उसके पुराने साथी जमात द्वारा किए गए जुल्मों के लिए साफ, बिना शर्त माफी मांगने से मना करना, न सिर्फ एक ऐतिहासिक नाकामी दिखाता है, बल्कि जानबूझकर 'लगातार उलझाने की कोशिश' भी है।

यूरोप में प्रचंड गर्मी बनी आफत, फ्रांस में 1,000 लोगों की गई जान, जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

लंदन, यूटर्न/ 29 जून । यूरोप महाद्वीप इन दिनों रिकॉर्ड तोड़ भीषण गर्मी के प्रकोप से जूझ रहा है, जिसके कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और कई देशों में सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। फ्रांस की पब्लिक हेल्थ एजेंसी ने रविवार को बताया कि पिछले सप्ताह रिकॉर्ड-तोड़ गर्मी के दौरान देश में लगभग 1,000 अतिरिक्त मौतें दर्ज की गईं। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यूरोप अब पृथ्वी पर सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन गया है और उसे अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल और अधिक प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। पिछले सप्ताह वीकेंड पर कई यूरोपीय देशों में तापमान के पुराने रिकॉर्ड टूट गए। जर्मनी में नीसेमुंडे में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो लगातार तीसरे दिन एक नया रिकॉर्ड था। चेक गणराज्य में भी अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जहां तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ब्रिटेन में पूर्वी इंग्लैंड में तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस और स्विट्जरलैंड के बेसल में 38.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने जून महीने के तापमान के नए रिकॉर्ड स्थापित किए। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन नामक यूरोपीय वैज्ञानिकों के एक समूह की एक नई स्टडी में बताया गया है कि पिछले हफ्ते यूरोप में पड़ी रिकॉर्ड-तोड़ गर्मी और उमस, जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) के बिना संभव नहीं होती।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता बहालः होर्मुज पर जल्द टलेगा संकट?

तेहरान, यूटर्न/ 29 जून । अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव अब एक बार फिर शांति वार्ता की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। दोनों देश होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी विवाद के स्थायी समाधान पर चर्चा के लिए दोबारा बातचीत शुरू करने को सहमत हो गए हैं। कतर की राजधानी दोहा में होने वाली इस बैठक से पहले दोनों पक्षों ने सैन्य गतिविधियों को रोकने पर भी सहमति जताई है, जिससे क्षेत्र में तनाव कुछ कम होने की उम्मीद जगी है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब पिछले दिनों दोनों देशों के बीच हमले फिर से शुरू हो गए थे, जिससे खाड़ी क्षेत्र में तनाव का माहौल गहरा गया था। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी, जबकि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने भी अमेरिका पर हमले न रोकने की स्थिति में वार्ता रोकने की धमकी दी थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि मंगलवार को दोहा में होने वाली इस बैठक का मुख्य एजेंडा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर केंद्रित होगा। दोनों पक्षों ने शांति वार्ता के दौरान किसी भी सैन्य कार्रवाई से बचने का फैसला किया है। अधिकारी ने पुष्टि की है कि हमने सभी सैन्य गतिविधियों को रोकने का फैसला किया है। गौरतलब है कि इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और ईरान के बीच एक भीषण युद्ध छिड़ गया था।

सेशेल्स स्वर्ण जयंती समारोह, भारतीय सैन्य दल, नौसेना के युद्धपोत रहे मौजूद

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 29 जून ।**

सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस (स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती) समारोह में भारत ने अपनी मजबूत सामरिक साझेदारी और गहरी मित्रता का प्रदर्शन किया है। समारोह में भारतीय सेना की असम रेजिमेंट, भारतीय नौसेना के मार्चिंग दल व नौसैनिक बैंड ने शानदार भागीदारी की। वहीं, भारतीय नौसेना का युद्धपोत भी इस अवसर पर उपस्थित रहा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारतीय नौसेना का अग्रिम पंक्ति का युद्धपोत आईएनएस तरकश 26 जून 2026 को ही दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी परिचालन तैनाती के दौरान सेशेल्स की राजधानी पोर्ट विक्टोरिया पहुंच चुका था।

आईएनएस तरकश के साथ स्वदेश में निर्मित सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षाक भी मौजूद रहा। दोनों पोतों ने राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मार्चिंग दल और नौसैनिक बैंड के साथ भाग लिया। भारतीय युद्धपोत सेशेल्स रक्षा बलों के साथ पेशेवर संवाद और सामुदायिक गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं। भारतीय नौसेना के अनुसार यह तैनाती समुद्री सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा तथा महासागर दृष्टिकोण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

सेशेल्स के स्वर्ण जयंती समारोह में भारतीय सैन्य दलों और नौसैनिक जहाजों की भागीदारी विशेष संबंधों का सशक्त प्रतीक है। वहीं भारतीय सेना के असम रेजिमेंट के 32 सदस्यीय दल ने समारोह में मार्च किया।

सऊदी क्राउन प्रिंस और फ्रांस के राष्ट्रपति मौक्रों ने फोन पर की बातचीत, क्षेत्रीय घटनाक्रम को लेकर हुई चर्चा

» **रियाद, यूटर्न/ 29 जून ।**

सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने इलाके और अंतरराष्ट्रीय विकास पर चर्चा की। सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) ने बताया कि सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का फोन आया।

एसपीए के अनुसार, दोनों नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षर किए गए ज्ञापन समझौते (एमओयू) के बारे में ताजा विकास की समीक्षा की। इसके साथ ही इस इलाके में सुरक्षा और स्थिरता बढ़ाने वाले बड़े समाधान को आसान बनाने की चल रही कोशिशों पर भी बात की।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने नेविगेशन की आजादी सुनिश्चित करने और तनाव कम करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशों का समर्थन करने की अहमियत पर जोर दिया।

दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग पर भी चर्चा की और आम चिंता के दूसरे क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों ने 17 जून को एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे और इसका मकसद महीनों से चल रहे अपने झगड़े को खत्म करना था। फिर भी, दोनों देशों के बीच कभी-कभी झड़पें होती रहती हैं।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान अभी के लिए आपसी हमले रोकने और होर्मुज स्ट्रेट पर अपने विवाद को सुलझाने के लिए मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया कि दोनों पक्ष अभी के लिए पीछे हटेंगे और जहाज आसानी से आ-जा सकते हैं क्योंकि तकनीकी बातचीत जारी रहने वाली है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, असल में स्विट्जरलैंड में मंगलवार की बातचीत होनी थी और इसका मुख्य मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम था।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *